पतंजलि की हो गई रुचि सोया

नई दिल्ली, प्रेट्र : इन्सॉल्वेंसी प्रक्रिया से गुजर रही कंपनी रुचि सोया का अधिग्रहण योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद करेगी। पतंजलि ने कर्ज में डूबी कंपनी के लिए 4,325 करोड़ रुपये की संशोधित बोली लगाई थी। रुचि सोया के कर्जदाताओं की समिति ने मंगलवार को पतंजलि का संशोधित बोली स्वीकार कर ली। रुचि सोया पर 9,300 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज था। रुचि सोया के लिए सर्वाधिक बोली लगाने वाली अडानी विलमर ने कुछ महीने पहले इस प्रक्रिया से बाहर निकल जाने का फैसला किया था।

सत्यम और आइएलएंडएफएस जैसे संकट से बचने के लिए हमें बेहतर डाटा एनालिटिक्स और अधिक जिम्मेदार होने की जरूरत है।
सीपी गुरनानी, प्रमुख, टेक महिंद्रा

सेंसेक्स	निफ्टी	सोना (प्रति दस ग्राम)	चांदी (प्रति किलोग्राम)	डॉलर	क्रूड (ब्रेंट) (प्रति बैरल)
39,031.55 ▼ 35.78	11,748.15 ▼ 6.50	₹32,945 ▼ ₹55	₹38,500 ▼ ₹200	₹69.56 ▼ ₹0.46	$ 72.62

प्लेसमेंट ▸ आइआइटी मद्रास के प्लेसमेंट में पहली बार पहुंची 51 से ज्यादा स्टार्टअप कंपनियां

प्रतिभावान युवाओं को अच्छी नौकरी देने के लिए स्टार्टअप भी उतरे मैदान में

मौजूदा समय में देश में तीन लाख से ज्यादा स्टार्टअप हैं रजिस्टर्ड

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली।

अच्छी नौकरियों की आस लगाए गए बैठे युवाओं के लिए स्टार्टअप अब उम्मीद की एक नई किरण साबित हो सकते है। फिलहाल नए साल में जिस तरीके से वे नई नौकरी लेकर मैदान में उतरे है, उससे यह उम्मीद और भी ज्यादा बलवती हो जाती है। स्टार्टअप का यह रुझान हाल ही में आइआइटी मद्रास के प्लेसमेंट में देखने को मिला है। जहां पहली बार 51 से ज्यादा स्टार्टअप ने हिस्सा लिया। साथ ही उन्होंने 121 से ज्यादा नौकरियों की पेशकश भी की। इनमें करीब 97 ऑफर को छात्रों ने हाथों-हाथ लिया है।

स्टार्टअप को लेकर यह रुझान उस समय सामने आया है, जब सरकार पिछले कई सालों से इसे बढ़ावा देने में जुटी हुई है। स्थिति यह है कि मौजूदा समय में देश में तीन लाख से ज्यादा स्टार्टअप रजिस्टर्ड हैं। इनमें से करीब 18 हजार स्टार्टअप डीपीआइआइटी (डिपार्टमेंट ऑफ प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड) में पंजीकृत भी है। नौकरी देने के लिए स्टार्टअप के मैदान में आने से उम्मीद लगाई जा रही है कि आने वाले वर्षों में इनमें काफी नई नौकरियां सृजित होंगी। साथ ही इससे रोजगार का एक बड़ा संकट भी खत्म होगा।

15 फीसद बढ़ा प्लेसमेंट : आइआइटी मद्रास के आंकड़ों को देखें, तो पिछले साल के मुकाबले प्लेसमेंट में 15 फीसद से ज्यादा उछाल आया है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2018-19 में उनके 1,146 छात्रों को कैंपस सेलेक्शन के जरिए प्लेसमेंट मिला है। जबकि वर्ष 2017-18 में यह संख्या सिर्फ 834 थी। इसके अलावा इस साल कुल 298 कंपनियों ने कैंपस प्लेसमेंट में हिस्सा लिया था, इनमें 21 विदेशी कंपनियां भी थीं। यह पिछले सालों के मुकाबले ज्यादा भागीदारी थी।

इतना ही नहीं, संस्थान के पोस्ट ग्रेजुएट प्लेसमेंट का भी बेहतर रिकॉर्ड रहा है। इस साल 364 छात्रों को प्लेसमेंट मिला है, इनमें एमबीए भी शामिल है, जबकि पिछले साल यह संख्या 274 ही थी।

डाटा साइंस और एनालिटिक्स कंपनियां भी प्लेसमेंट देने पहुंचीं

प्लेसमेंट देने में हालांकि अभी भी आइटी और कोर क्षेत्र की कंपनियां ही सबसे आगे हैं। बावजूद इसके पहली बार प्लेसमेंट देने को लेकर डाटा साइंस और एनालिटिक्स क्षेत्र की कंपनियां भी बड़े पैमाने पर आगे आई हैं। आइआइटी मद्रास को इन कंपनियों की ओर से करीब 55 ऑफर दिए गए हैं। इसकी वजह संस्थानों में इससे जुड़े पाठ्यक्रमों को चालू होना बताया जा रहा है।

वित्तीय रूप से बदहाल जेट एयरवेज की ग्रुप मेडीक्लेम पॉलिसी एक मई से बंद

▸ कंपनी के पास हेल्थ बीमा पॉलिसी का प्रीमियम जमा करने का पैसा नहीं

▸ कहा- कर्मचारी खुद करा लें अपना स्वास्थ्य बीमा

नई दिल्ली, प्रेट्र : वित्तीय बदहाली से गुजर रही विमानन कंपनी जेट एयरवेज के कर्मचारियों को कंपनी की ओर से एक और निराशा मिली है। पूरा परिचालन स्थगित कर खड़ी हो चुकी निजी क्षेत्र की इस प्रमुख एयरलाइन ने कहा है कि उसके पास कर्मचारियों की सामूहिक स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी का नवीनीकरण प्रीमियम जमा कराने के लिए भी पैसा नहीं है। पॉलिसी की मियाद मंगलवार को पूरी हो गई। जेट एयरवेज 25 साल से भी ज्यादा पुरानी विमानन कंपनी है। कंपनी कुछ समय से वित्तीय संकट में फंसी हुई है। उसके पास वेतन, विमानों का किराया, तेल कंपनियों के बकाया और हवाई अड्डों का किराया तक भुगतान करने को पैसा नहीं था। विमानन कंपनी ने गत 17 अप्रैल को अपनी सेवाएं निलंबित कर दी थीं।

एयरलाइन के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी राहुल तनेजा ने कर्मचारियों को सूचित किया है कि कंपनी को बैंकों या अन्य स्रोतों से निकट भविष्य में कोई कर्ज या संसाधन मिलता नजर नहीं आ रहा है। इस कारण वह कर्मचारियों की समूहिक स्वास्थ्य बीमा योजना का प्रीमियम जमा करने की स्थिति में नहीं है।

कंपनी के पास 20,000 से अधिक कर्मचारी हैं, जिनमें पायलट और इंजीनियर भी शामिल हैं। कंपनी को कर्ज देने वाले बैंकों ने कंपनी की 75 फीसद तक हिस्सेदारी बेचने के लिए बोली आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी महीने के दूसरे सप्ताह तक बोली लगाने वालों की अंतिम सूची जारी हो जाने का अनुमान है।

कर्मचारियों से खुद अपना बीमा लेने की अपील

ऐसे में इस बुधवार से इसके कर्मचारियों को समूहिक स्वास्थ्य बीमा योजना की सुरक्षा नहीं रह जाएगी। तनेजा ने कर्मचारियों से अपील की है कि वे नई स्थिति में अपनी पसंद की कोई और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी ले सकते हैं। तनेजा ने कहा कि हमने अपनी कोशिशें बंद नहीं की हैं। हम कर्जदाताओं के संपर्क में हैं और बोली हासिल करने की प्रक्रिया में उनको सहयोग कर रहे हैं। अपनी विमानन कंपनी को फिर से पांव पर खड़ा करने के लिए अवसर खोजने में हम कर्जदाताओं को सक्रियता पूर्वक मदद कर रहे हैं।

स्थानीय मांग गिरने से सोने, चांदी की चमक घटी

▸ सोना 55 रुपये गिरकर 32,945 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया

▸ चांदी 200 रुपये टूटकर 38,500 रुपये प्रति किलोग्राम की रह गई

नई दिल्ली, प्रेट्र : स्थानीय ज्वेलरों के बीच मांग गिरने से राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोना 55 रुपये लुढ़ककर 32,945 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन के मुताबिक औद्योगिक इकाइयों और सिक्का निर्माताओं की ओर से खरीदारी घटने से चांदी भी 200 रुपये गिरकर 38,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई।

सराफा कारोबारियों ने कहा कि स्थानीय ज्वेलरों के बीच मांग घटने से पीली धातु की कीमत घट गई, लेकिन विदेशी बाजारों के मजबूत रुझान ने कीमत को अधिक गिरने से रोक दिया। न्यूयॉर्क में सोने में 1,285.40 डॉलर प्रति औंस (28.35 ग्राम) पर और चांदी में 15.06 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार हुआ। सोमवार को सोना 30 रुपये प्रति 10 ग्राम मजबूत हुआ था।

राष्ट्रीय राजधानी में 99.9 फीसद खरा सोना 55 रुपये लुढ़ककर 32,945 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया और 99.5 फीसद खरा सोना भी इतनी ही कमजोरी के साथ 32,775 रुपये प्रति 10 ग्राम का रह गया। आठ ग्राम सोने की गिन्नी हालांकि 26,400 रुपये प्रत्येक के भाव पर कायम रही।

चांदी हाजिर 200 रुपये गिरकर 38,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई और वीकली डिलीवरी 28 रुपये गिरकर 37,222 रुपये प्रति किलोग्राम की रह गई। चांदी के सिक्कों की कीमत प्रति सैकड़ा 80,000 रुपये खरीद और 81,000 रुपये बिक्री के पिछले स्तर पर कायम रही।

इंडिया रेटिंग्स ने विकास अनुमान घटाया

नई दिल्ली, प्रेट्र : औद्योगिक उत्पादन में गिरावट और मानसूनी बारिश के सामान्य से कम रहने के आसार के बीच इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने मंगलवार को 2019-20 के लिए देश के विकास अनुमान को घटा दिया। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर 7.3 फीसद रह सकती है। फिच समूह की कंपनी ने इससे पहले आर्थिक विकास दर 7.5 फीसद रहने की उम्मीद जताई थी।

इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि 2019 में मानसूनी बारिश के सामान्य से कम रहने के अनुमान, कृषि से जुड़ी समस्याएं और औद्योगिक उत्पादन खासकर मन्यूफैक्चरिंग एवं बिजली उत्पादन में सुस्ती आर्थिक विकास दर में गिरावट के प्रमुख कारण हो सकते हैं। इसके अलावा, आइबीसी 2016 के तहत नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) को भेजे जाने वाले मामलों के समाधान में धीमी प्रगति को भी कंपनी ने विकास दर अनुमान घटाने का एक कारण बताया। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि फंसी पूंजी के उत्पादन प्रक्रिया में वापस नहीं आने से निवेश रिकवरी पर असर पड़ेगा। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने मानसून से जुड़े पूर्वानुमान आने के बाद, कृषि सकल मूल्यवर्धित विकास दर के 2.5 फीसद रहने का अनुमान जताया है।

टाटा स्टारबक्स ने की 4.51 करोड़ की मुनाफाखोरी

▸ मुनाफाखोरी रोकथाम महानिदेशालय की जांच में सामने आया सच

▸ रेस्तरां पर जीएसटी घटने के बाद भी कंपनी ने ग्राहकों को नहीं दिया उसका लाभ

नई दिल्ली, प्रेट्र : टाटा स्टारबक्स को टैक्स में कमी का लाभ उपभोक्ताओं को न देकर 4.51 करोड़ रुपये की मुनाफाखोरी करने का दोषी पाया गया है। जीएसटी की जांच इकाई ने पाया है कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती के बाद भी कंपनी ने कॉफी के दाम नहीं घटाकर मुनाफाखोरी की है। मुनाफाखोरी रोकथाम महानिदेशालय (डीजीएपी) की जांच में यह सच सामने आया है कि टाटा और अंतरराष्ट्रीय कॉफी श्रृंखला स्टारबक्स की समान हिस्सेदारी वाले संयुक्त उद्यम ने अपनी एक कॉफी के दाम तब बढ़ा दिए थे, जब जीएसटी परिषद ने रेस्तरां पर जीएसटी की दर को 18 फीसद से घटाकर पांच फीसद (इनपुट टैक्स क्रेडिट के लाभ के बिना) कर दिया था। यह दर 15 नवंबर, 2017 से लागू हुई थी। कंपनी द्वारा कीमत बढ़ाए जाने से उत्पाद का खुदरा बिक्री मूल्य जीएसटी दर में कटौती से पहले जितना ही रह गया। सूत्रों ने बताया कि डीजीएपी ने अपनी जांच मार्च में पूरी की। इस जांच में पाया गया कि कंपनी ने 4.51 करोड़ रुपये की मुनाफाखोरी की है। अब इस मामले की सुनवाई राष्ट्रीय मुनाफाखोरी प्राधिकरण (एनएए) करेगा। इसके बाद एनएए मुनाफाखोरी की राशि पर अंतिम आदेश जारी करेगा। यदि एनएए भी इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि कंपनी ने मुनाफाखोरी की है, तो कंपनी को उतनी राशि ग्राहकों को वापस करनी होगी, जितने की मुनाफाखोरी उसने की है। यदि राशि वापस करने के लिए ग्राहकों की पहचान नहीं हो पाती है, तो कंपनी को वह राशि केंद्र और राज्य सरकारों के उपभोक्ता कल्याण कोष में जमा करनी होगी। फरवरी में एक अन्य रेस्तरां चेन जुबिलैंट फूडवर्क्स को भी 41.42 करोड़ रुपये की मुनाफाखोरी का दोषी पाया गया था। कंपनी भारत में डोमिनो पिज्जा का संचालन करती है। कंपनी ने कुछ पिज्जा उत्पादों पर यह मुनाफाखोरी की थी।

कंपनी का सभी कानूनों का पालन करने का दावा

इस बारे में टाटा स्टारबक्स के प्रवक्ता ने कहा कि एक जिम्मेदार संगठन के रूप में कंपनी अपना कारोबार पूरी नैतिकता के साथ करती है और सभी स्थानीय कानूनों और नियमनों का अनुपालन करती है। कंपनी अक्टूबर, 2012 में भारतीय बाजार में उतरी थी। फिलहाल वह मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, चेन्नई, बंगलुरु, चंडीगढ़, पुणे और कोलकाता में 140 आउटलेट्स चलाती है।

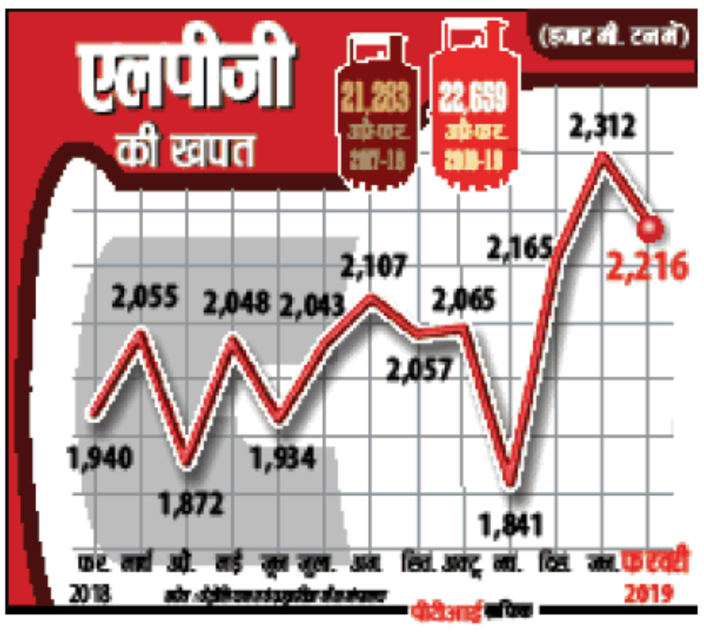

बुनियादी उद्योगों की मार्च में बढ़ी रफ्तार

▸ मार्च में विकास दर 4.7 फीसद रही

▸ वित्त वर्ष 2018-19 में 4.3 फीसद पर फ्लैट रही विकास दर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली।

बुनियादी क्षेत्र के आठ उद्योगों के प्रदर्शन में मार्च 2019 में कुछ सुधार दर्ज किया गया है। इस महीने इन उद्योगों की रफ्तार बढ़कर 4.7 फीसद रही। बीते साल के इसी महीने में यह 4.5 फीसद रही थी। अलबत्ता पूरे वित्त वर्ष यानी 2018-19 में बुनियादी क्षेत्र के उद्योगों की विकास दर में पिछले साल के मुकाबले कोई बदलाव नहीं हुआ है।

कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, स्टील, सीमेंट और बिजली क्षेत्र की वित्त वर्ष 2018-19 में कुल विकास दर 4.3 फीसद रही है। मार्च में कोयला उद्योग का प्रदर्शन सपाट रहा। इस महीने उद्योग की रफ्तार 9.1 फीसद रही। इसके मुकाबले प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, स्टील और सीमेंट उद्योगों की विकास दर में वृद्धि हुई। हालांकि कच्चे तेल के उत्पादन में मार्च 2019 में 6.2 फीसद और बिजली उत्पादन में 1.4 फीसद की कमी दर्ज की गई। कच्चे तेल के उत्पादन में फरवरी 2019 में भी कमी दर्ज की गई थी।

आठों बुनियादी उद्योगों के प्रदर्शन का प्रभाव देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आइआइपी) पर भी होता है। देश के कारखानों के कुल उत्पादन में आठों बुनियादी उद्योगों की हिस्सेदारी 41 फीसद की है।

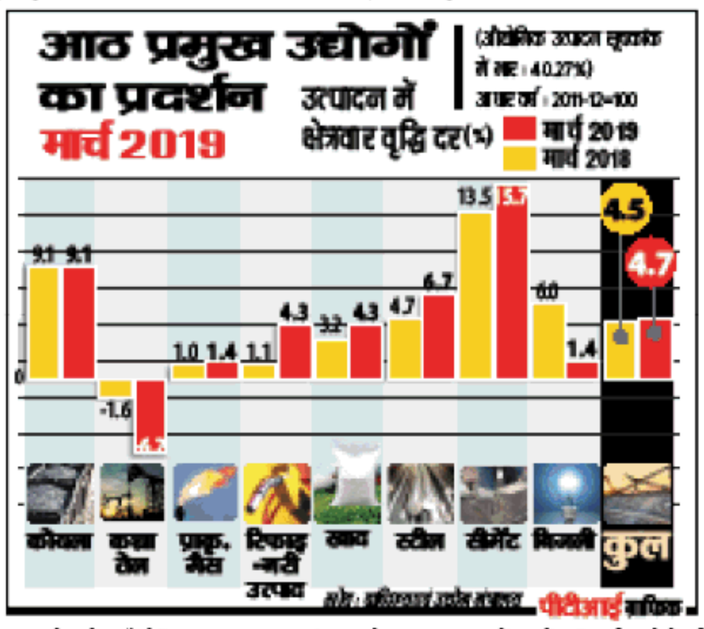

सरकार ने अप्रैल में 1,874 करोड़ की शत्रु संपत्तियां बेचीं

▸ चालू वित्त वर्ष में 90,000 करोड़ रुपये विनिवेश करने का लक्ष्य

▸ पिछले वित्त वर्ष में सरकार ने 779 करोड़ रुपये के शत्रु शेयर बेचे थे

▸ पिछले वित्त वर्ष में सरकार ने विनिवेश के जरिए 84,972 करोड़ रुपये जुटाए थे

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार ने अप्रैल 2019 में 1,874 करोड़ रुपये मूल्य की शत्रु संपत्तियां बेची हैं। चालू वित्त वर्ष 2019-20 में सरकार ने 90,000 करोड़ रुपये के विनिवेश का लक्ष्य रखा है। पिछले वित्त वर्ष में सरकार ने विनिवेश के जरिए 84,972 करोड़ रुपये जुटाए थे। इसमें शत्रु शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाई गई 779 करोड़ रुपये की राशि भी शामिल है। सरकार इस वित्त वर्ष के लिए तय विनिवेश लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए शत्रु संपत्ति की बिक्री प्रक्रिया में तेजी लाना चाहती है। विनिवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआइपीएएम) की वेबसाइट पर दिए गए आंकड़े के अनुसार सरकार ने चालू वित्त वर्ष के पहले महीने में विनिवेश के जरिये 2,350 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसमें से 476 करोड़ रुपये रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के प्रारंभिक पब्लिक ऑफर (आइपीओ) के जरिये जुटाए गए हैं, जबकि शेष 1,874 करोड़ रुपये शत्रु संपत्ति की बिक्री करके जुटाए गए हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नवंबर 2018 में डीआइपीएम को शत्रु संपत्ति और शत्रु शेयरों की बिक्री करने की मंजूरी दी थी। शत्रु संपत्ति से आशय ऐसी संपत्ति से है जिन्हें लोग छोड़कर पाकिस्तान या चीन चले गए हैं और वे अब भारत के नागरिक नहीं रह गए हैं। उसके बाद मार्च 2019 में मंत्रिमंडल ने कस्टोडियन ऑफ एनिमी प्रोपर्टी फॉर इंडिया (सीईपीआइ) के अंतर्गत आने वाली अचल शत्रु संपत्ति को बेचने की प्रक्रिया को भी मंजूरी दे दी थी। डीआइपीएएम द्वारा निर्धारित संपत्ति बिक्री दिशानिर्देश के अनुसार सीईपीआइ या गृह मंत्रालय संबंधित पक्षों तथा राज्य सरकार के परामर्श से बिक्री के लिए संपत्ति का चयन करता है। इन संपत्तियों की बिक्री करने की शर्त यह है कि ये जटिलता और अतिक्रमण से मुक्त होनी चाहिएं। इन संपत्तियों की बिक्री के लिए आखिरी मंजूरी वित्त मंत्री की अध्यक्षता वाली एक मंत्री समिति देती है।

नुकसान

बीएसई का सेंसेक्स 35.78 अंक गिरकर 39,031.55 पर बंद, एनएसई का निफ्टी 6.50 अंक लुढ़ककर 11,748.15 पर स्थिर

वित्तीय सेक्टर में भय का माहौल बनने से बाजार लुढ़के

मुंबई, प्रेट्र : निजी क्षेत्र के एक प्रमुख बैंक के कमजोर तिमाही प्रदर्शन के बाद वित्तीय सेक्टर में भय का माहौल बनने से मंगलवार को देश के शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई। बीएसई का सेंसेक्स 35.78 अंकों की गिरावट के साथ 39,031.55 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 6.50 अंकों की गिरावट के साथ 11,748.15 पर बंद हुआ। बाजार तीन दिनों के अवकाश के बाद खुला। महाराष्ट्र में आम चुनाव के मतदान के कारण शेयर बाजार सोमवार को बंद थे। महाराष्ट्र दिवस के मौके पर बुधवार को भी बाजार बंद रहेंगे।

विश्लेषकों के मुताबिक यस बैंक द्वारा मार्च तिमाही में भारी भरकम घाटा दर्ज किए जाने और रिलायंस एडीएजी की दो वित्तीय कंपनियों की रेटिंग घटने के कारण बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर में भय का माहौल पैदा हो गया। इसका नकारात्मक असर बाजार पर देखने का मिला। सेंसेक्स में यस बैंक में सर्वाधिक 29.23 फीसद गिरावट रही। इंडसइंड बैंक में 5.21 फीसद गिरावट रही। दूसरी ओर एचसीएल टेक में चार फीसद की सर्वाधिक तेजी रही। टाटा स्टील में 2.10 फीसद तेजी रही।

▸ इंडियाबुल्स और पीएनबी हाउसिंग में भारी गिरावट से अन्य हाउसिंग फाइनेंस शेयरों पर भी दिखा दबाव

यस बैंक का एमकैप 16,000 करोड़ रुपये घटा

नई दिल्ली : यस बैंक में बीएसई पर 29.23 फीसद गिरावट दर्ज किए जाने से बैंक का बाजार पूंजीकरण 16,048.56 करोड़ रुपये घटकर 38,909.44 करोड़ रुपये पर आ गया। बैंक ने पिछले दिनों कहा था कि मार्च तिमाही में उसे 1,506.64 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा कि बैंक के फंसे कर्ज का कुल आकार कुल कर्ज का करीब आठ फीसद है। फंसे कर्ज के विरुद्ध प्रोविजनिंग किए जाने के कारण अगले 18 महीने तक बैंक के शुद्ध लाभ पर दबाव बना रहेगा।

नेस वाडियो को सजा मिलने की चर्चा से समूह के शेयर लुढ़के

नई दिल्ली : नेस वाडिया को जापान की एक अदालत से दो साल जेल की सजा मिलने की चर्चा पर वाडिया समूह के शेयरों में 10 फीसद तक गिरावट देखी गई। बीएसई पर बांबे डाइंग में 9.78 फीसद गिरावट रही। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज 2.50 फीसद लुढ़का। बांबे बर्मा ट्रेडिंग कॉरपोरेशन में 2.40 फीसद गिरावट रही। जेल सजा की चर्चा पर हालांकि वाडिया समूह के एक प्रवक्ता ने कहा कि नेस वाडिया भारत में हैं।

इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस में 5.77 फीसद गिरावट दर्ज किए जाने और पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस के 8.76 फीसद लुढ़कने का दबाव कई अन्य हाउसिंग फाइनेंस शेयरों पर भी दिखा। सेक्टरों के लिहाज से बीएसई के टेलीकॉम सेक्टर में सर्वाधिक 2.22 फीसद गिरावट देखी गई। दूसरी ओर धातु सेक्टर में सर्वाधिक 1.44 फीसद तेजी रही। संकटग्रस्त विमानन कंपनी जेट एयरवेज में 8.37 फीसद गिरावट रही।
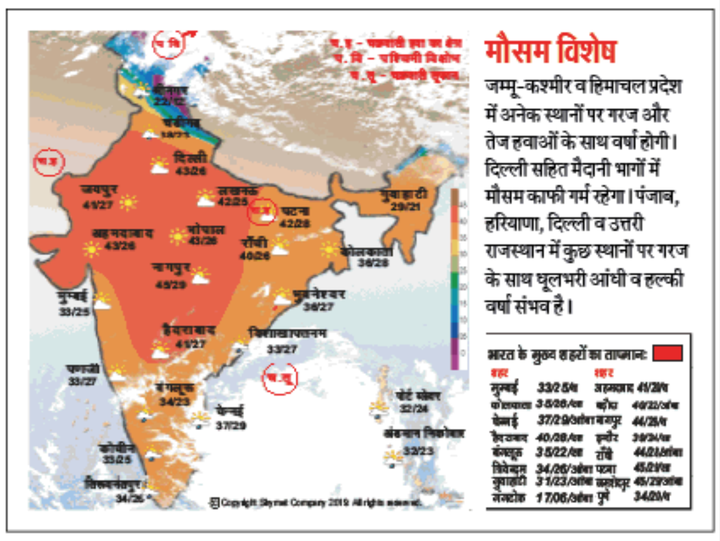
शेयरखान के एडवायजरी प्रमुख हेमांग जानी ने कहा कि बाजार में उतार-चढ़ाव जारी है। लंबी अवधि के लिए निवेश करने वालों को बाजार में उतार-चढ़ाव का उपयोग अच्छे शेयरों को इकट्ठा करने में करना चाहिए। इस बीच रुपया लगातार दूसरे दिन मजबूत हुआ। यह 46 पैसे चढ़कर डॉलर के मुकाबले 69.56 पर बंद हुआ। एशिया के अधिकतर प्रमुख बाजारों में गिरावट का रुझान रहा।